SWETA DUBEY
ASST.PROFESSOR,
GSCW B.Ed., PEDAGOGY OF SCHOOL SUBJECT ECONOMICS,SEM-2, PAPER-VII A UNIT-I
TOPIC- AIMS OF ECONOMICS SUBJECT

Scanned with CamScanner

अर्थशास्त्र शिक्षण के लक्ष्य (Aims of Economics Teaching)

व्यक्ति के सर्वांगीण विकास हेतु औपचारिक एवं अनौपचारिक शिक्षण की आवश्यकता होती है । जीवन से संबन्धित समस्त आयाम ही इसके आधार हैं । यह अखण्ड है व इसका विभाजन संभव नहीं । किन्तु व्यक्तित्व के भिन्न-भिन्न आयामों से जुडे भिन्न-भिन्न विचारों को हम उसकी प्रकृति के अनुरूप ही नामकरण कर देते हैं । इसी के परिणामस्वरूप राजनीतिक व्यवहार को राजनीतिशास्त्र व आर्थिक व्यवहार को अर्थशास्त्र जैसे नाम दे दिए गये है । वास्तव में ये मानव के ही मूल व्यवहार हैं । प्रकृति के अनुसार इसके पढ़ने-पढ़ाने का दृष्टिकोण ही भिन्न हो जाता है । अर्थशास्त्र का पढ़ाने का दृष्टिकोण वह नहीं होता जो समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र या भाषा पढ़ाने का होता है । यह दृष्टिकोण उस विषय के उद्देश्यों द्वारा निर्धारित होता है । अर्थशास्त्र को पढ़ाने का उद्देश्य क्या है? शिक्षक को पढ़ाते समय किस आदर्श एवं लक्ष्य को ध्यान में रखना चाहिए?

Scanned with CamScanner

किसी भाषा के लक्ष्य एवं उद्देश्य में क्या अन्तर होता है? यह एक विचारणीय प्रश्न है। सामान्य तौर से लक्ष्य या उद्देश्य को एक ही कोटि में रखा गया है जिसका अर्थ किसी भी क्रिया को क्यों किया जाता है, इस प्रश्न के उत्तर से संबन्धित है। इसलिए अधिकांश लेखकों ने लक्ष्य व उददेश्य को परस्पर व समानार्थी शब्दों के रूप में प्रयुक्त किया है। किन्तु कुछ लेखकों ने लक्ष्य (Aims) व उद्देश्यों (Objectives) को भिन्न-भिन्न रूप से लिया है।

Scanned with CamScanner

मेरी एलिस व जेन ने 1970 में अमेरिका के तीन विश्वविद्यालयों के छात्रों पर एक सर्वे किया। उनकी शोध के अनुसार शिक्षा के लक्ष्य निम्नलिखित होने चाहिए -

(1) व्यक्तिगत आय में वृद्धि

(2) व्यवसायिक एवं सामाजिक दृष्टि से व्यक्ति को ऊपर उठाना।

(3) दैनिक समस्याओं का समाधान करने की योग्यता बढ़ाना, जैसे-नियमों का ज्ञान, भुगतान के तरीके, स्वयं के धन एवं सम्पत्ति की रक्षा, अच्छी नागरिकता, प्रजातन्त्र में जिम्मेदारियाँ, पर्यावरण की रक्षा आदि का ज्ञान देना।

Scanned with CamScanner

जोड (C.E.M. Jode) ने शिक्षा के तीन लक्ष्य बताए हैं -

(1) एक छात्र या छात्रा को जीविका कमाने के योग्य बनाना ।

(2) प्रजातन्त्र के नागरिक के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाने के लायक बनाना ।

(3) उसकी स्वभाव की छिपी हुए शक्तियों को विकसित करना जिससे कि वह अपने जीवन का आनन्द उठा सके ।

Scanned with CamScanner

लक्ष्य का अर्थ एवं महत्व (Meaning & Importance of Aims)

किसी विषय को किसी स्तर विशेष पर क्यों पढ़ाया जाय? यह एक महत्वपूर्ण व आधारभूत प्रश्न है । क्योंकि इससे ही अनेक प्रश्न उभरते हैं, जो कि पूरी शिक्षा व्यवस्था का आधार बनते हैं। क्या पढ़ाया जाये? कैसे पढ़ाया जाये? शिक्षण प्रभावकारी है या नहीं ? मूल्यांकन कैसे किया जाये? आदि आदि । अत: लक्ष्यों का निर्धारण अत्यधिक आवश्यक किया है ।

वह व्यवहार परिवर्तन जो शिक्षक एक विषय विशेष की सहायता से छात्र में लाना चाहता है, वह उस विषय के लक्ष्य कहलाते है । इससे शिक्षण प्रक्रिया की दिशा निश्चित होती है । एक बार लक्ष्यों का निर्धारण हो जाने के बाद शिक्षा प्रक्रिया में निम्नांकित प्रकार से सहायता मिलती है-

Scanned with CamScanner

एक बार लक्षयो का निर्धारण करने के पश्चात् शिक्षण प्रक्रिया मे निम्नलिखित प्रकार से सहायता मिलती है । 6

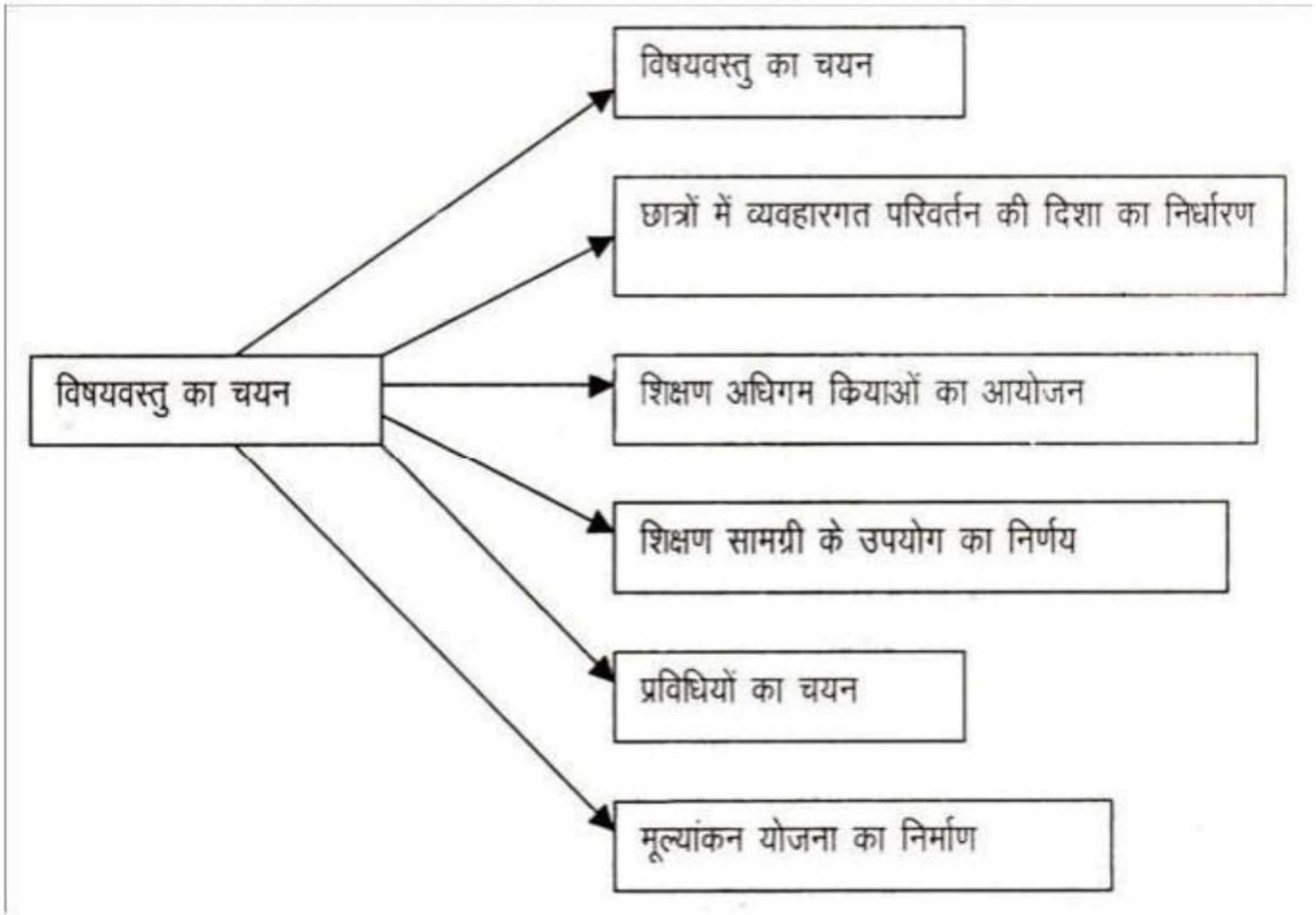

Scanned with CamScanner

किसी भी विषय के उद्देश्यों का निर्धारण राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए किया जाता है । अत: अर्थशास्त्र विषय के उद्देश्यों पर विचार करने से पूर्व हम शिक्षा के लक्ष्यों को देखें । एन.सी.ई.आर.टी. ने एक प्रलेख तैयार किया है - National Curriculum of Elementary and Secondary Education. इसके अन्तर्गत उन्होंने शिक्षा एवं अवसरों की समानता, सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण, संवैधानिक सुविधाएं, एक प्रजातान्त्रिक समाजवाद एवं धर्म निरपेक्ष राज्य की स्थापना, राष्ट्रीय एकता पर्यावरण का रक्षण, प्राकृतिक साधनों का संरक्षण छोटे परिवार का आदर्श आदि विचारों को सम्मिलित किया है ।

Scanned with CamScanner

इन विचारों के सन्दर्भ में ही अर्थशास्त्र शिक्षण के लक्ष्य एवं उद्देश्यों का निर्धारण किया जाना चाहिए। स्मिथ, मोफेट एवं मोफेट, माइकेलिस बाइनिंग एण्ड बाइनिंग प्रारम्भ से दो मुख्य लक्ष्यों को लेकर चले। एक अर्थशास्त्र का सैद्धान्तिक ज्ञानार्जन दूसरा अच्छे उपभोक्ता का विकास। वर्तमान में बढ़ती आर्थिक प्रतियोगितायें एवं उपभोक्तावाद की प्रवृति ने अर्थशास्त्र शिक्षण के उत्तरदायित्व को बढ़ा दिया है।

Scanned with CamScanner

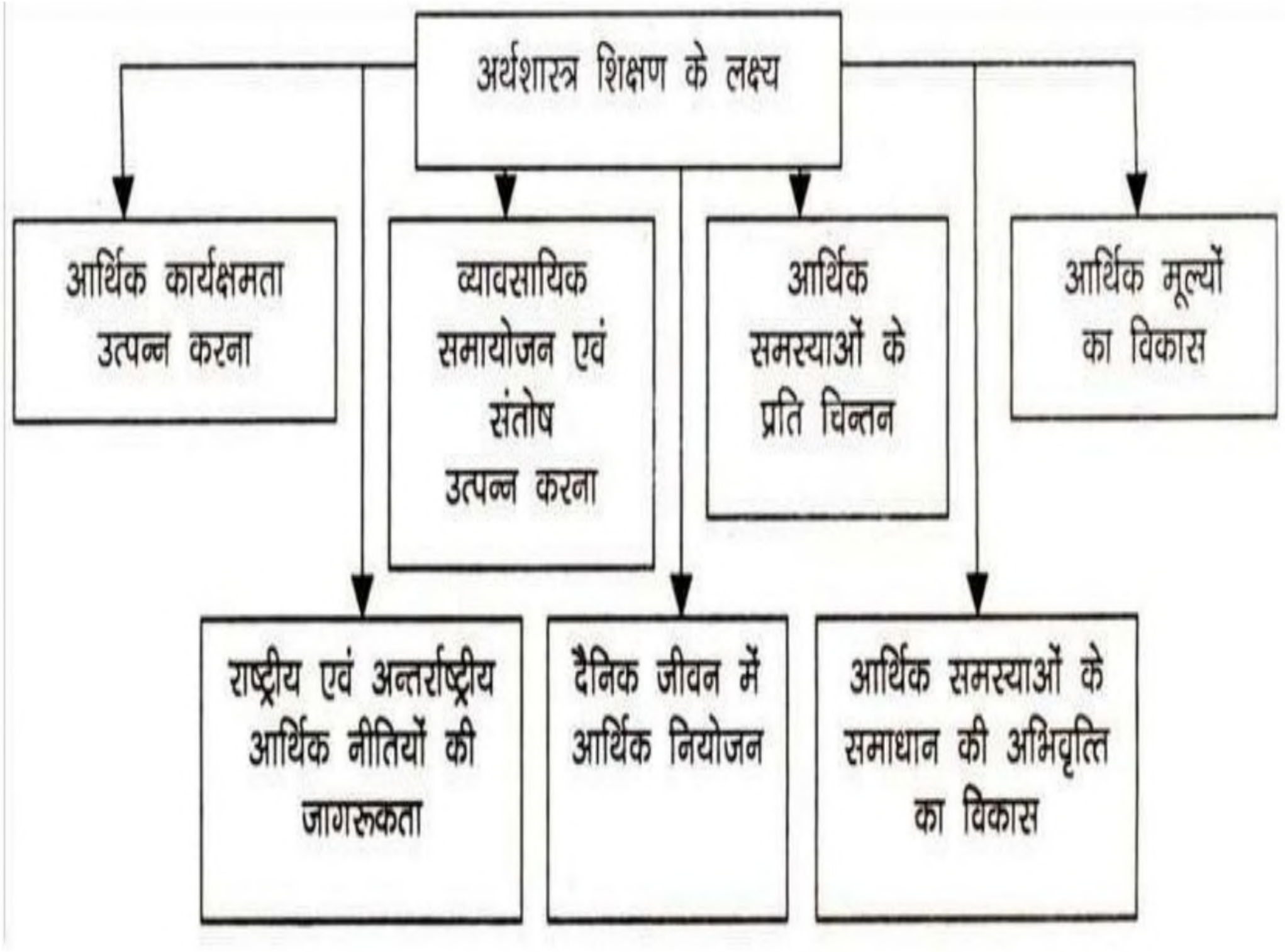

Scanned with CamScanner

उपर्युक्त चित्र में दिये गये अर्थशास्त्र विषय के लक्ष्यों के सन्दर्भ में ही के. रोबिन्सन ने तीन मानदण्ड निर्धारित किये हैं -

1. विषय के आधारभूत सम्प्रत्ययों के रूप में वातावरण के आर्थिक पहलू का ज्ञान एवं अवबोध विकसित करना चाहिए।
2. आर्थिक समस्याओं के बारे में स्पष्ट चिन्तन की योग्यता विकसित होनी चाहिए जिससे तथ्यों का विश्लेषण करके तर्कपूर्ण निष्कर्ष निकालने की क्षमता का विकास हो सके।
3. आर्थिक साक्षरता का विकास हो जिससे विषय की शब्दावली, भाषा एवं प्रतीकों की सुतथ्यता तथा उपयुक्त प्रयोग की क्षमता का विकास हो सके।

Scanned with CamScanner